



बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 1

“Xxx साली चुदाई कहानी में पढ़ें कि एक बार मेरी छोटी बहन का पति मेरे घर आया. मैं बाथरूम में थी. मेरे पास सिर्फ तौलिया था. बमें बाहर कैसे निकली और क्या हुआ तब ? ...”

Story By: गुप्त 8 (gupt8)

Posted: Monday, June 13th, 2022

Categories: [Sex Kahani](#)

Online version: [बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 1](#)

बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 1

Xxx साली चुदाई कहानी में पढ़ें कि एक बार मेरी छोटी बहन का पति मेरे घर आया. मैं बाथरूम में थी. मेरे पास सिर्फ तौलिया था. बमें बाहर कैसे निकली और क्या हुआ तब ?

यह अन्तर्वासना ऑडियो स्टोरी सुनें.

<https://www.antarvasna3.com/wp-content/uploads/2022/06/xxx-sali-chudai-kahani.mp3>

नमस्ते, मेरा नाम सुधा है. मेरी उम्र 35 साल है और मैं 2 बच्चों की मां हूँ. मैं अन्तर्वासना की नियमित पाठिका हूँ. मेरी ये सेक्स कहानी मेरे जीवन की सच्ची गर्म कहानी है.

मेरे पति एक बड़ी कंपनी में इंजीनियर हैं और घर से बाहर रहते हैं. घर में मेरे अलावा मेरे ससुर और मेरे दो बच्चे रहते हैं.

मुझे भगवान ने वो सब कुछ दिया है जो एक लड़की शादी से पहले अपने मन में इच्छा रखती है.

मेरे पति मुझे बहुत प्यार करते हैं और हमारी सेक्स लाइफ भी बहुत अच्छी है.

मेरे पति जब भी घर आते हैं तो हम दोनों बहुत सेक्स करते हैं.

घर में हमारे अलावा सिर्फ मेरे ससुर हैं, जो कि नीचे की मंजिल में रहते हैं और वो ऊंचा सुनते हैं.

उनके अलावा मेरे घर में और कोई नहीं है.

मैं और मेरे पति हर तरीके से सेक्स करते हैं.

हमें सेक्स के लिए 3-4 महीनों में 10 से 15 दिन ही मिलते हैं.

या ये कहो कि हम दोनों बहुत खुल कर इंजाय करने वाले दंपति हैं.

अब जो Xxx साली चुदाई कहानी मैं लिखने वाली हूँ, इसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि ऐसा कुछ मेरे साथ हो जाएगा.

लोग कहते हैं कि कभी कभी जिंदगी में कुछ ऐसा इत्तेफाक हो जाता है, जिसकी उसने कभी उम्मीद ही न की होती है.

यह बात आज से एक साल पहले की है.

उस दिन मैं बाथरूम में नहा रही थी. मेरे दोनों बच्चे स्कूल गए हुए थे.

तभी किसी काम से मेरी छोटी बहन का पति मनीष मेरे घर आ गया.

कुछ देर तक उसने नीचे मेरे ससुर से बात की, फिर वो ऊपर की मंजिल पर आ गया.

ऊपर आकर जब उसने मुझे कहीं नहीं देखा, तो जीजी बोलकर पुकारने लगा.

मैंने जब उसकी आवाज सुनी, तो मैं सकपका गयी कि ये अचानक से कैसे आ गया.

फिर कुछ सोचकर मैंने उसे बाथरूम से ही आवाज दी कि आप कुछ देर इंतजार करें, मैं अभी नहा रही हूँ.

मैं सोचने लगी कि अब क्या करूँ क्योंकि मेरे बाथरूम से निकलने का रास्ता मेरी बैठक के सामने से था और बाथरूम में मैं सिर्फ टॉवल ही पहन सकती थी. मेरे पास कोई और कपड़े नहीं थे.

मैं हमेशा बाथरूम में सिर्फ टॉवल ही लाती थी. ब्रा पैंटी और बाकी के कपड़े मैं बाद में कमरे में जाकर पहनती थी.

इसका कारण यही था कि मेरे घर में कोई नहीं आता था.

मैं अब बहुत ही असमंजस में थी कि क्या करूं.

मेरे सामने कोई चारा नहीं था तो मैंने निश्चय किया कि बाथरूम से भाग कर निकलूंगी.

यह सोचकर मैंने सावधानी से दरवाजा खोलकर इधर उधर देखा और जल्दी से भागने की कोशिश की कि जल्दी से अपने बेडरूम में पहुंच जाऊं.

पर मेरी फूटी किस्मत कि हड़बड़ी में मेरा पैर फिसल गया और मैं वहीं बैठक के सामने गिर पड़ी.

इसे कहते हैं अनहोनी, कहां मैं मनीष के सामने जाना नहीं चाहती थी और अब वहीं उसके सामने जमीन पर नंगी पड़ी थी.

मेरी तौलिया भी मेरे जिस्म से अलग हो गई थी.

मनीष भी भागकर मेरे पास आ गया और पूछने लगा- अरे जीजी, कहीं लगी तो नहीं ?
वो मुझे आंखें फाड़ कर देख रहा था.

मैं शर्म के कारण जमीन में धंसी जा रही थी क्योंकि मेरा नंगा जिस्म मनीष के सामने था.
मैंने जल्दी से टॉवल उठा कर अपने ऊपर डाल लिया.

लेकिन टॉवल से सिर्फ मेरे मम्मों और मेरी चूत के ऊपर का थोड़ा सा हिस्सा ही ढका हुआ था.

गिरने की वजह से मेरी कमर में धमक लग गयी थी.

मैं दोहरी मार से मरी जा रही थी.

मैंने उठने की कोशिश की लेकिन मेरी कमर मेरा साथ नहीं दे रही थी.

फिर मैंने याचना भरी नजरों से मनीष की तरफ देखा तो उसने मेरी स्थिति देखकर मुझे सहारा देकर उठाया.

इससे मैं एक बार से फिर नंगी हो गयी.

मनीष ने ही नीचे से टॉवल उठाकर मुझे लपेट दी. उसके हाथों ने जब मुझे टॉवल पहनाई, तब उसके हाथ कांप रहे थे.

इसका मुझे अहसास मुझे उसकी पैंट के उभार ने बता दिया था.

वो मेरे एकदम सामने बस कुछ इंच की दूरी पर ही था जिससे मैं उसकी बढ़ती हुई सांसों की आवाज को सुन सकती थी.

फिर वो मुझे सहारा देते हुए मेरे बेडरूम में लेकर आ गया.

जब वो मुझे पकड़कर बेडरूम में ला रहा था तब उसकी उंगलियां मेरे मम्मों के ऊपरी हिस्से को टच कर रही थीं.

बेडरूम में आकर मैं अपने बेड पर बैठ गयी.

मनीष मेरे सामने खड़ा था और मेरे अधनंगे शरीर का अपनी आंखों से रसपान कर रहा था.

जब उसकी आंखें मेरी आंखों से मिलीं तो पता ही नहीं चला कि मुझे क्या हो गया.

मैं कब बहक गयी.

हमेशा से ही पतिव्रता रही सुधा कब एक गैर मर्द की बांहों में चली गयी.

जब होश आया तो मनीष मेरे होंठों को चूस रहा था और उसके हाथ मेरे पूरे शरीर का जायजा ले रहे थे.

उसकी जीभ मेरे मुँह में थी और मैं उसे चूस रही थी.

जैसे ही मुझे होश आया ओर मेरे दिमाग ने मुझसे कहा कि ये गलत है, मैंने मनीष को

अपने से दूर करना चाहा.

लेकिन उसने मुझे और कसके पकड़ लिया और मेरी कान की लौ को जीभ से चुभलाते हुए बोला- सुधा, अब हम इतने आगे बढ़ गए हैं कि अब पीछे लौटना न मेरे लिए संभव है और न तुम्हारे लिए.

मनीष मुझे मेरे नाम से बुला रहा था.

हालांकि उसकी और मेरी उम्र में ज्यादा अंतर नहीं था लेकिन वो रिश्ते में तो मुझसे छोटा था.

मैंने उसे फिर भी रोकना चाहा- मनीष ये गलत है. मैं तुम्हारी बीवी की बड़ी बहन हूँ. ये गलत है. अगर किसी को पता चल गया तो मैं कहीं भी मुँह दिखाने लायक नहीं रहूँगी.

लेकिन मनीष पर तो शायद वासना का भूत चढ़ गया था. वो मेरी किसी भी बात को सुन ही नहीं रहा था.

उसने मेरी टॉवल खींच कर दूर फेंक दी और मुझे अपनी बांहों में जकड़ लिया.

मैं अभी भी उसे अपने से दूर करना चाहती थी. मैं जितना भी उसे दूर करना चाहती, वो मुझसे उतना ही चिपकता जाता.

फिर उसने मुझे बेड पर पीठ के बल लेटा दिया.

अब तो मेरी स्थिति और भी दयनीय हो गयी थी क्योंकि मेरे चूतड़ों से ऊपर का हिस्सा बेड के ऊपर था और मेरी टांगों नीचे लटक रही थीं.

मनीष भी मेरी टांगों के बीच मेरे ऊपर अधलेटा सा हो गया था.

उसका लंड पैट के ऊपर से ही मेरी चूत पर अड़ सा गया था.

मेरी भी मनोस्थिति अब ऐसी हो गयी कि मेरा मन और दिल चाह रहा था कि जो हो रहा है, उसे होने दूँ.

पर मेरा दिमाग कह रहा था कि ये गलत है.

फिर भी मैंने अपने आपको काबू में करके एक बार आखिरी कोशिश करने की सोची और अपनी पूरी ताकत से मनीष को अपने ऊपर से हटाना चाहा.

पर इसका उल्टा ही असर हुआ.

मनीष ने मुझे और कसके एक हाथ से पकड़ लिया और दूसरे हाथ से अपना पैट और अंडरवियर उतारने लगा.

ऊपर से उसने अपने मुँह से मेरे होंठों को अपने मुँह में ले लिया और चूसने लगा.

अपना पैट ओर अंडरवियर उतार कर उसने अपना लंड मेरी चूत की फांकों में फिट कर दिया और मेरे दोनों हाथ पकड़ लिए.

जैसे ही मेरी चूत पर उसका लंड का स्पर्श हुआ, मैं एकदम से सिहर सी गयी क्योंकि दो महीने से मेरी चुदाई नहीं हुई थी.

मैं भी अन्दर से चाहने लगी थी कि अब जल्दी से लंड चूत के अन्दर जाकर मेरी प्यास बुझा दे.

लेकिन मैं फिर भी ऊपर से आनाकानी करने लगी क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि मनीष बाद में मुझे गलत समझे.

फिर मनीष ने चूत पर लंड फिट करके जैसे ही धक्का मारा, मैंने अपनी कमर हिला दी. उसका लंड फिसल गया.

उसने फिर से अपने लंड को पकड़ा और वापस मेरी चूत की फांकों में ऊपर-नीचे रगड़ा.

फिर छेद पर टिका कर हल्के से धकेला तो उसका सुपारा अन्दर घुस गया.

मैंने तड़प कर छूटने की कोशिश की पर मनीष मुझे कस कर पकड़े हुए था जिससे उससे छूट पाना मेरे लिए मुश्किल ही था.

हालांकि मैं भी अब छूटना नहीं चाहती थी.

लेकिन मैं इस तरह से चुदना भी नहीं चाहती थी क्योंकि मेरे पति ने हमेशा प्यार से सेक्स किया था.

फिर अभी तो मेरी चूत भी गीली नहीं हुई थी.

लेकिन मैं क्या करती.

वो मुझे ऐसे ही चोदना चाहता था.

अगर वो मेरी आंखों में देखता, तो शायद समझ जाता.

पर उस पर तो वासना का भूत चढ़ा हुआ था.

इसके बाद उसने अपना हाथ हटा लिया और अपने दोनों हाथों से मेरे हाथ पकड़ लिए, मेरे एक दूध को अपने मुँह में लेकर चूसने लगा.

मेरी ऐसी हालत हो गई थी कि मैं कुछ कर ही नहीं सकती थी.

मेरे दोनों हाथ उसके बस में थे. मेरी चूत में उसके लंड का पूरा सुपारा घुस चुका था और मेरा एक चूचुक उसके मुँह में था.

मैं एक जल बिन मछली की भांति तड़पने लगी ... आखिर मैं भी एक औरत थी.

फिर मनीष ने मुझे देखा कि अब मैं नॉर्मल थी, तो उसने मेरे हाथ छोड़ दिए और मेरे मम्मों को अपने दोनों हाथों में लेकर मसलते हुए अपना लंड मेरी चूत में घुसेड़ने लगा.

जैसे ही उसका लंड अन्दर घुसा, मुझे हल्का दर्द होने लगा.

शायद उसका लंड मोटा था या फिर काफी दिनों से मेरी चुदाई नहीं हुई थी या मेरी चूत गीली नहीं थी.

कुछ देर ऐसे ही धकेलने के बाद उसने एक झटका दिया और मेरे मुँह से निकल गया- हाय मम्मीईई मर गईई ... नहीं ... नहीं ... छोड़ दो ... मैं मर जाऊंगी ... ओहूह मां!

मेरी सांस दो पल के लिए रुक गई थी.

उसका लंड मेरी चूत फाड़ते हुए काफी अन्दर घुस गया था.

फिर उसने अपना पूरा वजन मेरे ऊपर डाल दिया और और धीरे-धीरे धक्के देने लगा.

शायद उसे भी थोड़ी तकलीफ हो रही थी क्योंकि मेरी चूत गीली नहीं थी.

मैंने अपनी आंखें खोलीं और एक बार उसकी तरफ देखा.

उसने अपने नीचे वाले होंठ को अपने दांतों से ऐसे दबा रखा था जैसे कोई बहुत ताकत लगाने के समय कर लेता है.

वो मेरी चूत में ऐसे धक्के मार रहा था जैसे वो खुद भी अन्दर घुस जाना चाहता हो.

मनीष का लंड करीब एक तिहाई मेरी चूत में था ... लेकिन मुझे ऐसा लग रहा था कि उसका लंड शायद मेरे पति से मोटा हो और बड़ा भी.

या फिर ये कहो कि इस पोजीशन में छोटा लंड भी बड़ा लगता है.

या यूँ कहो कि पराया माल हमेशा अच्छा लगता है.

अब मेरी चूत भी हल्की गीली हो चली थी और पहले जैसा कुछ भी दर्द नहीं हो रहा था.

तभी मनीष ने मेरे मम्मों को अपने दोनों हाथों से पकड़ कर एक जोरदार धक्का मार कर

अपना लंड मेरी चूत में जड़ तक घुसेड़ दिया.
मुझे ऐसा लगा कि उसका लंड मेरी बच्चेदानी फाड़ कर अन्दर घुस गया हो.

मेरे मुँह से चीख निकल गयी- ओह्ह ओह्ह मां मर गईईईई ... आह ... कोई तो बचाओ
आहह ... इस जालिम से.

इस तरह मेरे पति ने मुझे कभी भी नहीं चोदा था.
पर ये तो बड़ा ही बेरहम हो रहा था.

फिर उसने धीमे धीमे धक्के मारना चालू कर दिया.
जिससे मेरी चूत गीली होने लगी और उसके लंड को भी मेरी चूत ने एडजस्ट कर लिया.

मुझे मजा आने लगा लेकिन मेरी टांगें अभी भी नीचे लटक रही थीं.
जिस वजह से मुझे थोड़ी परेशानी हो रही थी.

मैंने उससे इशारे से उसे अपनी परेशानी बतायी हालांकि अभी भी मैं उससे नजर नहीं मिला
पा रही थी. आखिर वो मेरी छोटी बहन का पति था.

मेरा इशारा समझ कर मनीष ने एक झटके में अपना लंड मेरी चूत से निकाल लिया और
मुझे बेड पर सही से लेटा दिया.
उसने जल्दी से मेरे चूतड़ों के नीचे एक तकिया रख दिया.

अब वो वापस से मेरी टांगों के बीच आ गया.
वो फिर से अपना लंड मेरी चूत की फांकों में रख कर रगड़ने लगा जिससे मेरी चूत में
चीटियां सी रेंगने लगीं.

मेरे दोनों हाथ अपने आप उठ गए और मैंने उसे अपनी तरफ खींच लिया.

फिर मैंने उसके होंठों से अपने होंठ मिला दिए.

उसने अपने दोनों हाथों से मेरे दोनों मम्मों के चूचक पकड़ लिए और मसलने लगा.
साथ ही अपना लंड मेरी फांकों में रगड़ने लगा.

अब मेरी टांगें अपने आप उठ गईं और उसके चूतड़ों पर अपनी टांगों को फंसा कर मैं उसे अपनी तरफ खींचने लगी.

मेरा उतावलापन देख कर मनीष ने अपना लंड मेरी चूत के छेद पर लगा कर एक ही झटके में पूरा जड़ तक घुसेड़ दिया.

मेरे मुँह से वापस से 'आहह ... यहांहा बेददी ... ओहहह ... मार दिया ...' निकल गया.

मैंने मनीष से कहा- मेरे भोले राजा आराम से करो ... मैं कहीं भागी नहीं जा रही हूँ. आराम से चोद ले ... फ्री का माल मत समझ.!

मनीष हंस कर बोला- सुधा मेरी जान, आह ... तू तो अपनी बहन से भी मस्त माल है.
इतना मजा तो मुझे कभी तेरी बहन को चोद कर नहीं आया. आज तो मैं तुझे चोद चोद कर तेरा कचूमर निकाल दूँगा.

मनीष अब तू तड़ाक की भाषा पर आ गया था.

हालांकि मुझे ये सब पसंद नहीं था लेकिन मैंने उस समय कुछ बोलना उचित नहीं समझा.

मनीष ने वापस से अपना लंड खींच कर सिर्फ सुपारा मेरी चूत में रख कर वापस एक करारा झटका मार दिया.

उसका लंड मेरी चूत के अंतिम छोर तक घुसता चला गया.

मैं बस कराह कर रह गयी.

मेरे मुँह से बस आहहह ... ओह हहह ... की आवाजें निकलने लगीं. लेकिन उस पर मेरी

कराहों का कोई असर नहीं हो रहा था.

वो बस अपना पूरा लंड निकालता और एक ही झटके में घुसेड़ देता.

उसका लंड सीधा मेरी बच्चेदानी पर चोट कर रहा था.

थोड़ी ही देर में मुझे मजा आने लगा और मैं अपनी टांगें उठा कर उसके लंड का स्वागत करने लगी.

मनीष के झटके बहुत ही जबरदस्त लग रहे थे जिससे थोड़ी ही देर में मेरी चूत पानी छोड़ने लगी.

मैंने अपनी दोनों टांगें उठाकर मनीष की कमर पर लपेट दी और बड़बड़ाने लगी- आहह जानू ... मजा आ गया ... आहह ... तेरा लंड ... आहह ... हाय ... आहह ... और जोर से ... आहह और जोर से!

बस ये सब बोलती हुई मैं झड़ गयी पर उसका अभी नहीं हुआ था.

दोस्तो, मेरी ये Xxx साली चुदाई कहानी अभी खत्म नहीं हुई है.

आप लोग मेरे साथ अन्तर्वासना से जुड़े रहें और याद करें कि किस किसकी जिंदगी में ऐसे इत्तेफाक हुए हैं. आप चाहें तो मुझे मेल भी कर सकते हैं.

gupt8319@gmail.com

Xxx साली चुदाई कहानी का अगला भाग : [बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 2](#)

Other stories you may be interested in

वंश चलाने के लिए दो बहनें चुद गयी- 2

इस प्रेगनेंसी सेक्स कहानी में पढ़ें कि दो सगी बहनें गर्भ धारण करने के लिए मुझसे कैसे चुदी. उनका पति नाकारा था. जब मैंने उन्हें चोदा तो वो कुंवारी जैसी थी. कहानी के पहले भाग बड़ी बहन ने छोटी बहन [...]

[Full Story >>>](#)

बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 3

Xxx जीजा साली सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि दो बार मेरी चूत चोदने के बाद मेरा जीजा मेरी गांड मारना चाहता था. मगर मुझे उसके मोटे लंड से डर लग रहा था. यह कहानी सुनें. हैलो फ्रेंड्स, मैं सुधा आपके [...]

[Full Story >>>](#)

वंश चलाने के लिए दो बहनें चुद गयी- 1

सेक्स इन बस का मजा लिया मैंने स्लीपर बस में! मेरे केबिन में मेरे साथ एक लड़की थी. उससे मेरी सेटिंग कैसे हुई और मैंने उसे कैसे चोदा? पढ़ें इस कहानी में! दोस्तो, मेरा नाम शैलेश है और मैं भोपाल [...]

[Full Story >>>](#)

बिना सोचे समझे बहन के पति से चुद गई- 2

Xxx जीजा सेक्स कहानी में मैं एक बार अपनी छोटी बहन के पति से चुद कर मजा ले चुकी थी. उसकी बेरहम चुदाई से मुझे मजा भी बहुत आया तो ... यह कहानी सुनें. नमस्कार दोस्तो, मैं सुधा फिर एक [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी आपा ने मुझसे अपनी चूत गांड मरवाई

बड़ी बहन Xxx कहानी में पढ़ें कि मेरा आपा को जब पता लगा कि मेरी गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद मुझे चूत नहीं मिल रही है तो उन्होंने मुझे अपनी चूत पेश कर दी. दोस्तो, आज मैं आपको अपनी सच्ची [...]

[Full Story >>>](#)

